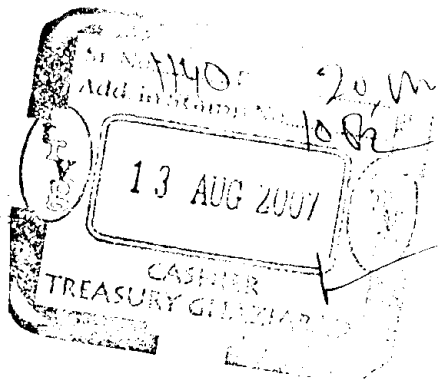






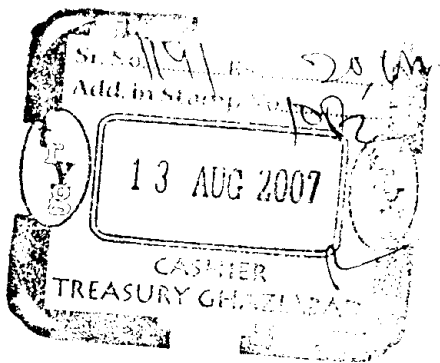
367641

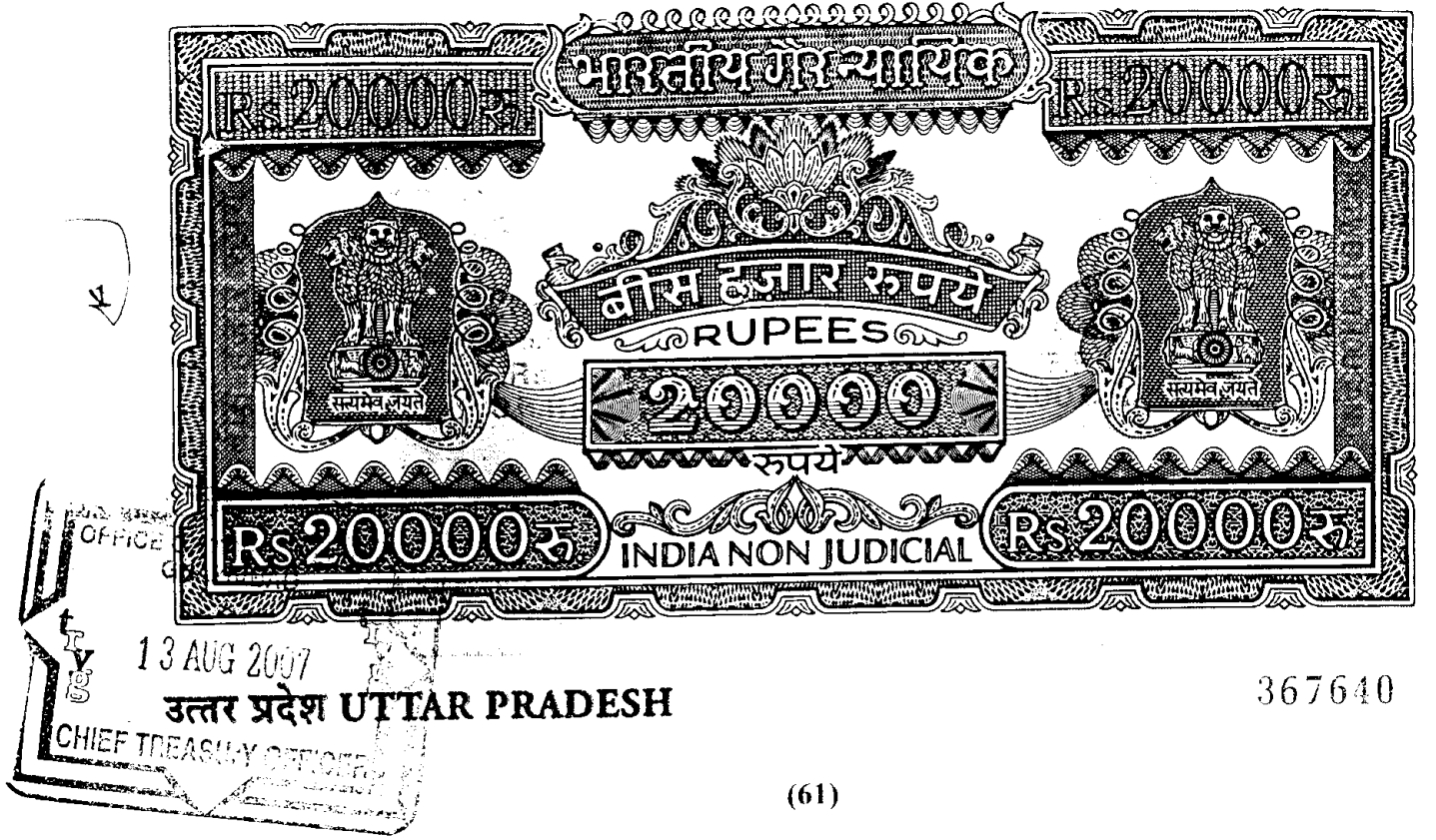
(60)

आधिवक्ता/दस्तावेज लेखक का अपना कोई कथन नहीं है।

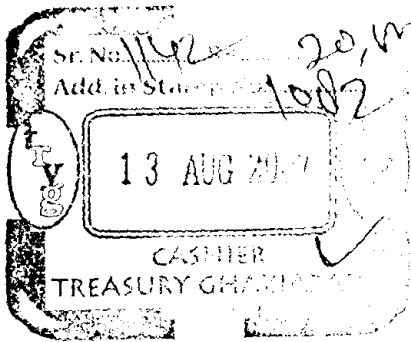
2

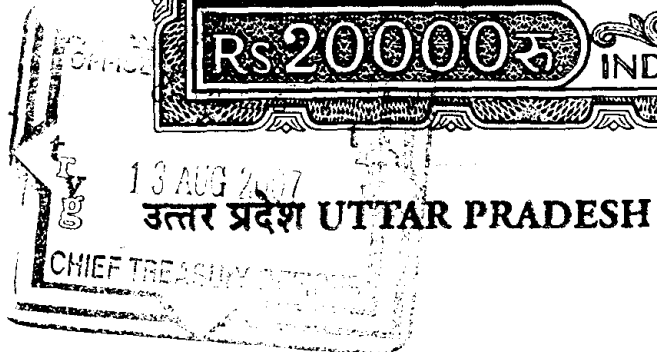
7





विकेता व केता ने पढकर, सुनकर व समझकर विकय पत्र पर

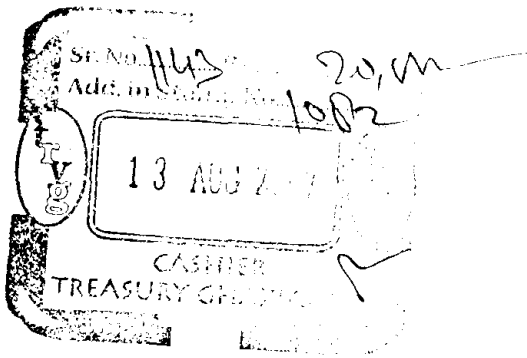


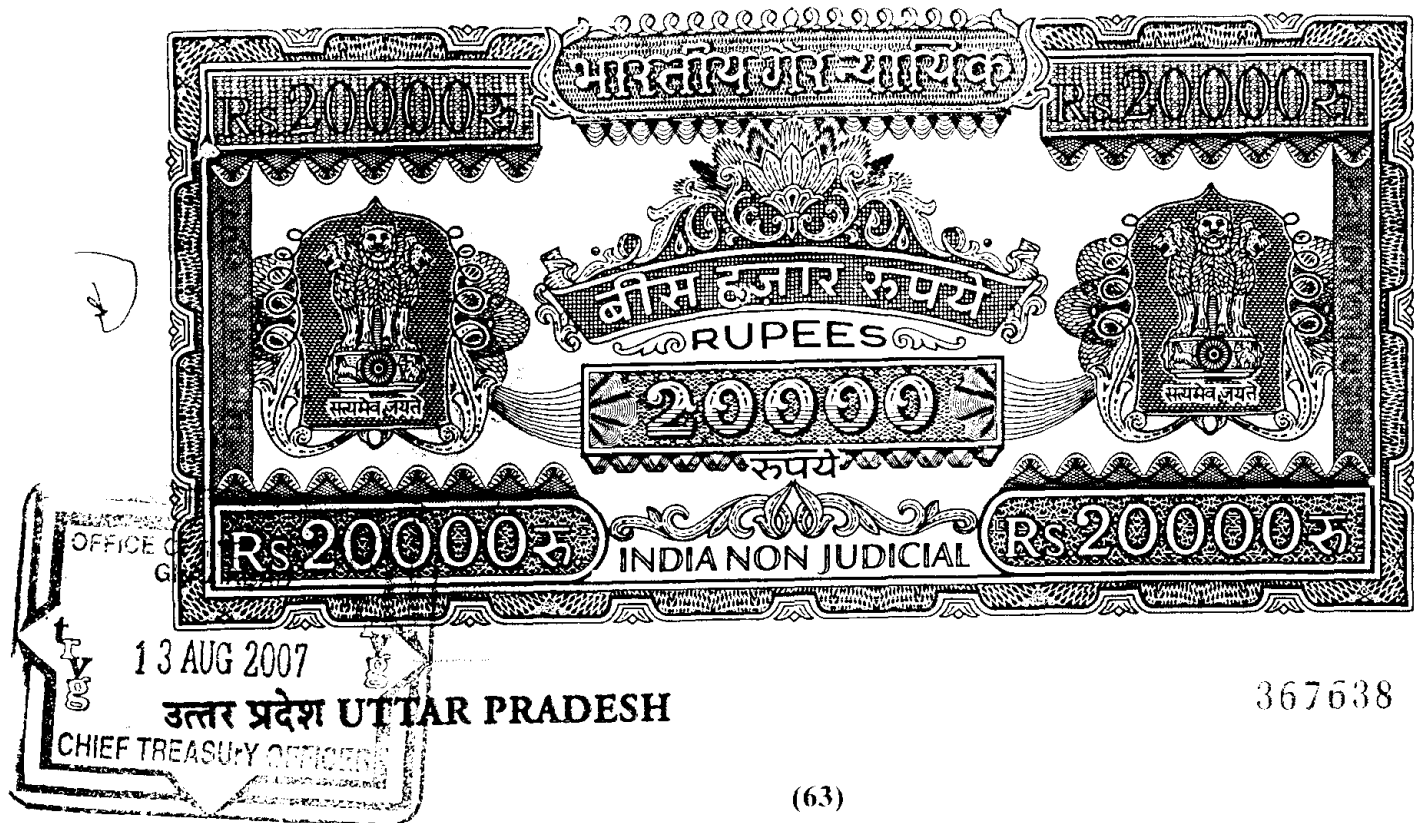


367639

(62)

हस्ताक्षर किये हैं। अब इकरार यह कि उपरोक्त भूमि को मिलकियत

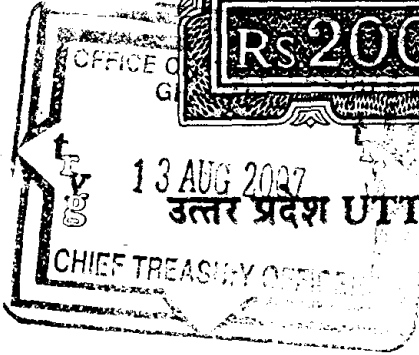
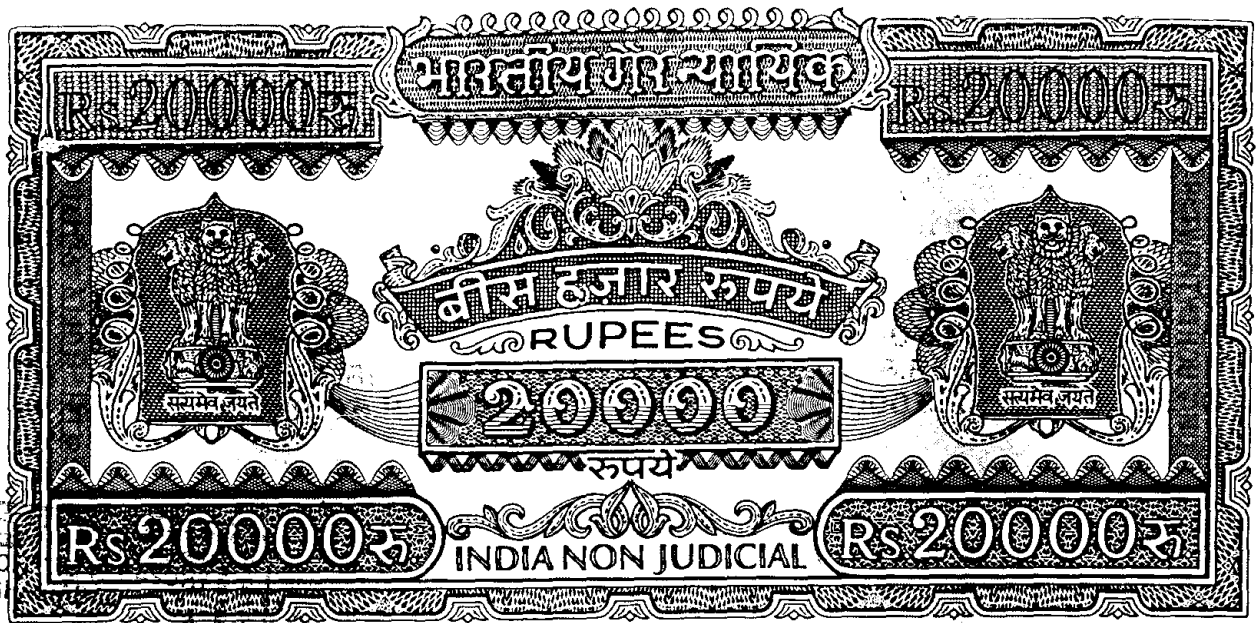




उसके मूल्यधन तथा किसी अंग से मुझ प्रथम पक्ष विक्रेता

SE. No. 1944 20,000
Add. in 1082
13 AUG 1944
CASHER
TREASURY OF THE U.S.

RECEIVED



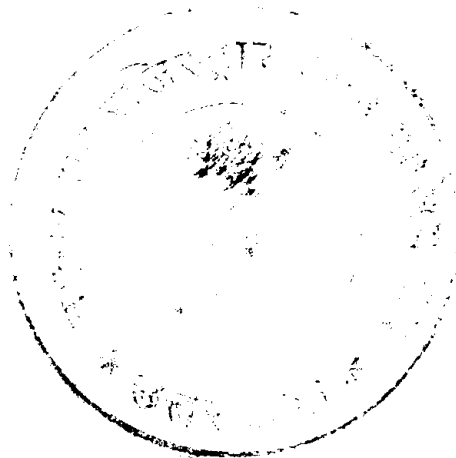
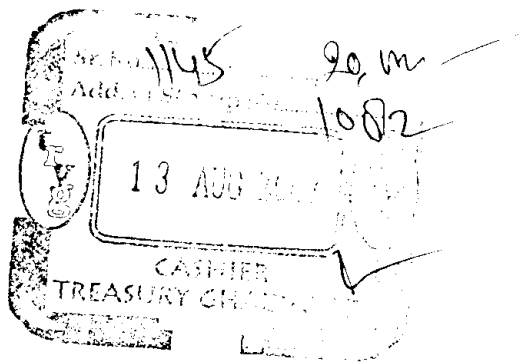
367637

(64)

कम्पनी का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है, न आइन्दा

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]





OFFICE
13 AUG 2007
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH
CHIEF TREASURY OFFICER

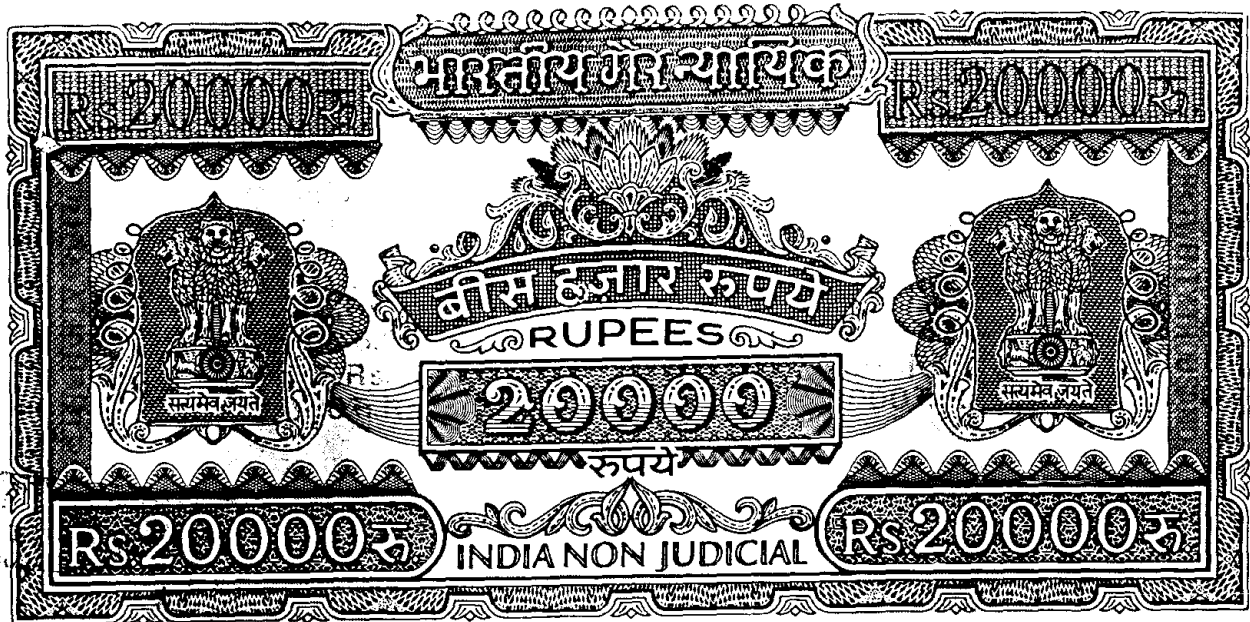
367636

(65)

होगा। कब्जा मौके पर पूर्ण व वास्तविक रूप से द्वितीय पक्ष का

ST. NO. 116 20, M
Add. to Stamp No. 1002
13 AUG 2007
CASH
TREASURY DEPT. OF THE ARMY





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

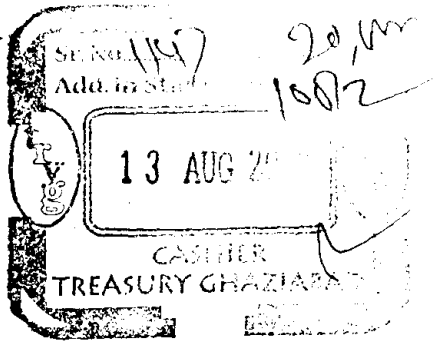
367635

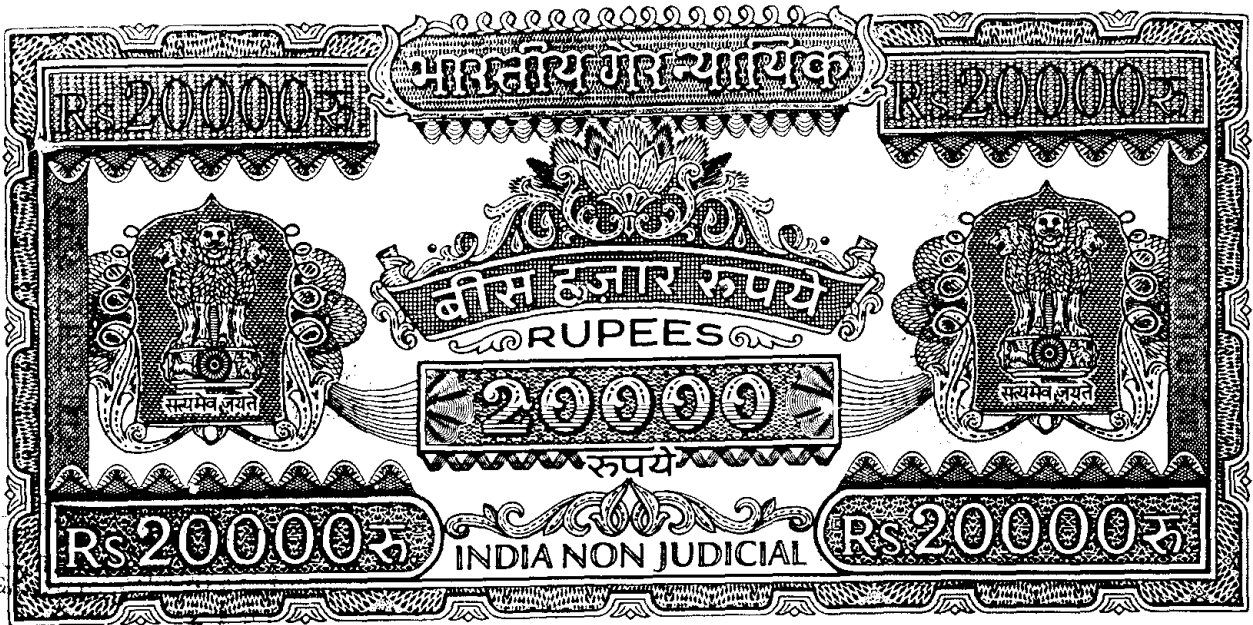
(66)

करा दिया है, अब द्वितीय पक्ष उपरोक्त भूमि के पूर्ण रूप से

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]





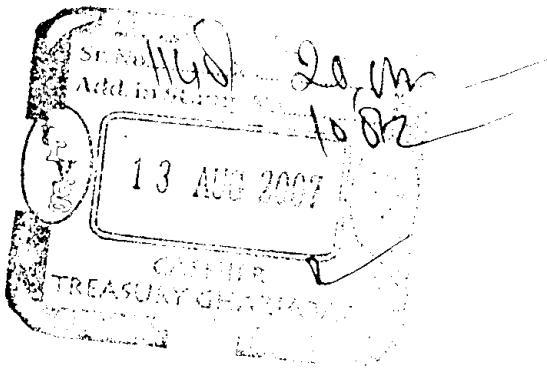
13 AUG 2007

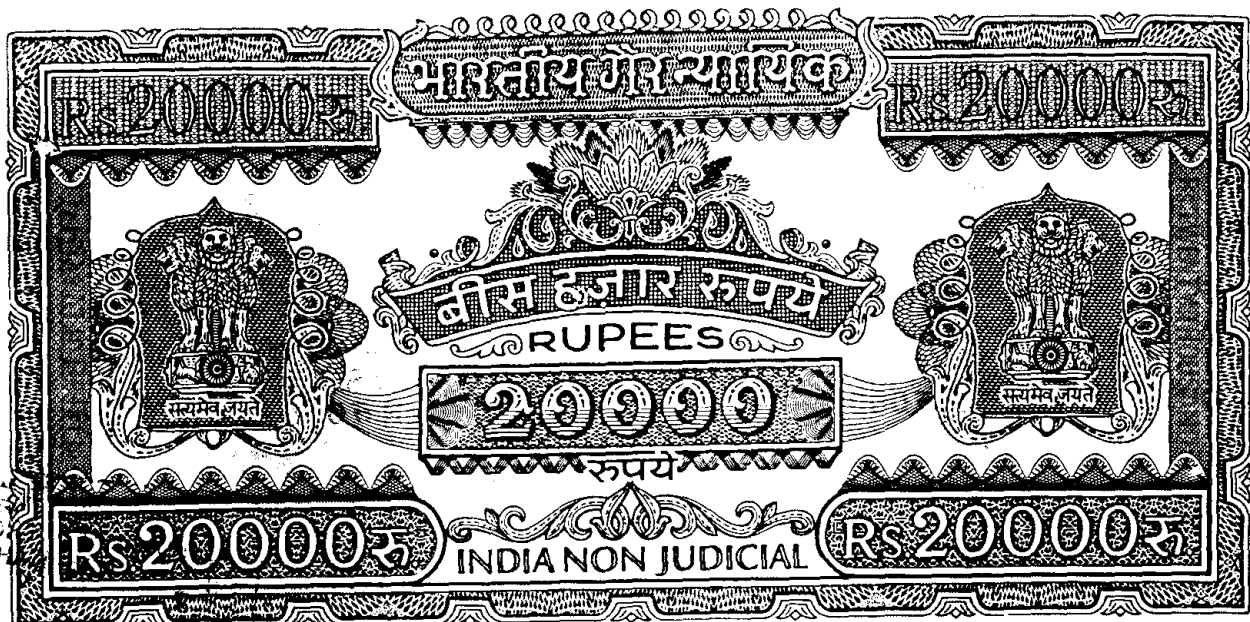
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

367634

(67)

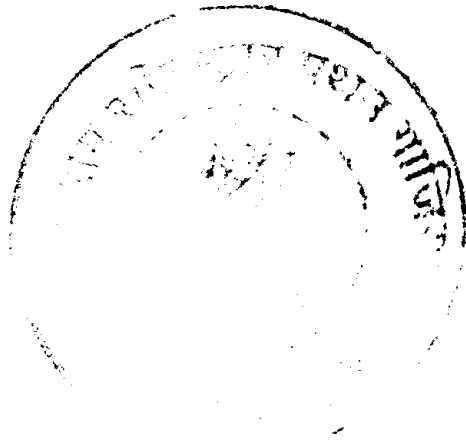
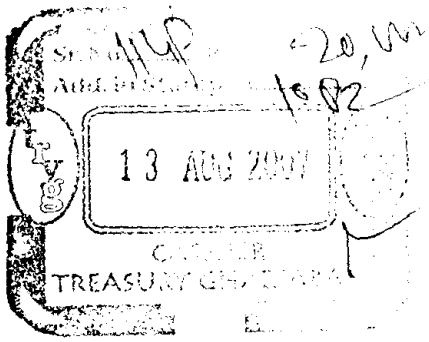
मालिक काबिज हो गये हैं, जिस प्रकार चाहे अपने प्रयोग

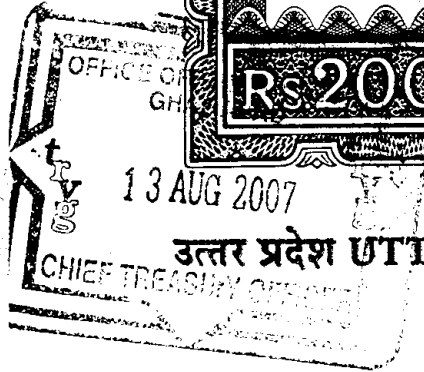




(68)

मालिकाना में लाकर लाभ उठावें, स्वयं कृषि करे अथवा





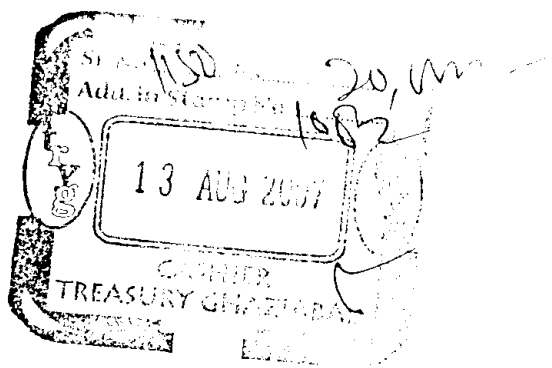
367632

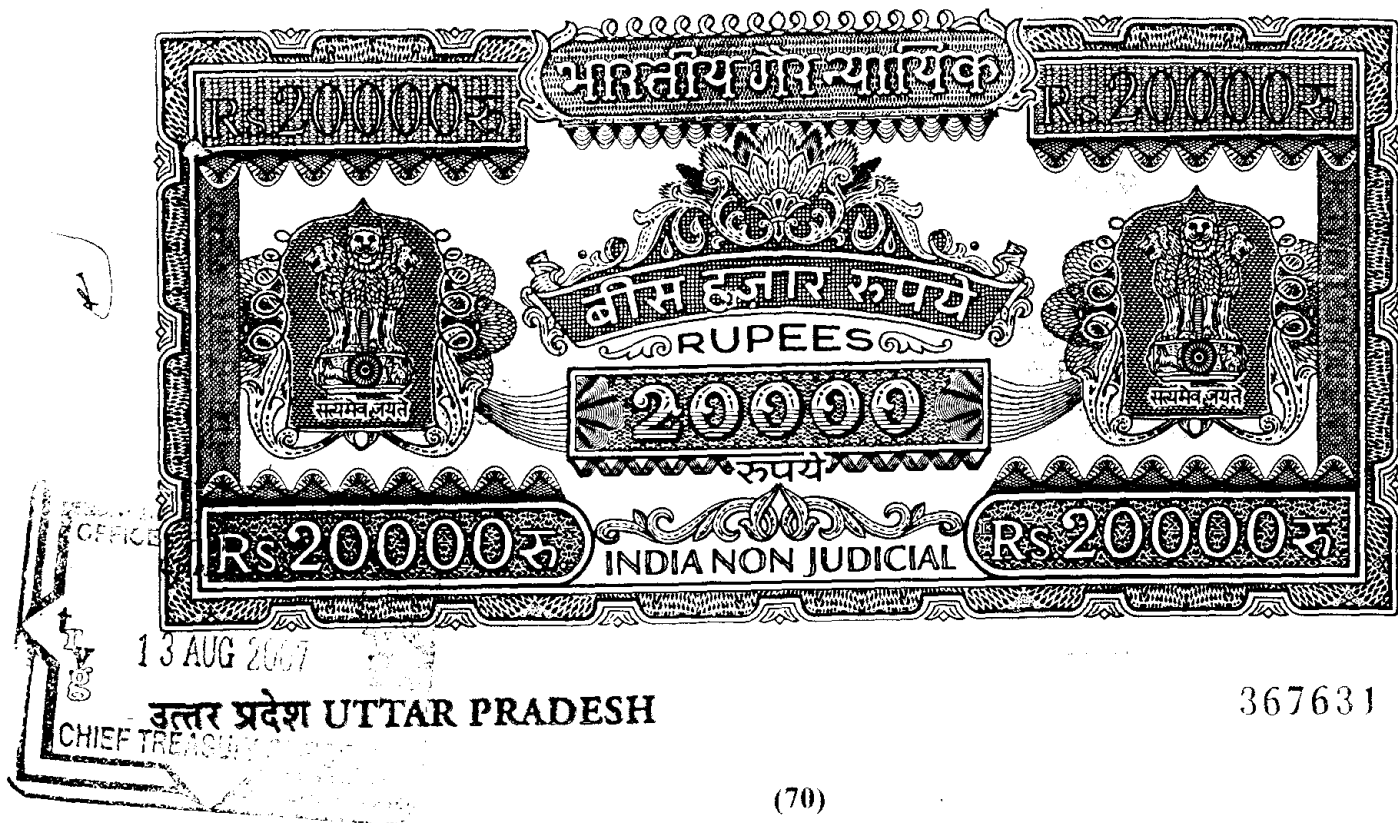
(69)

किसी प्रकार का आवासीय निर्माण आदि करे, गरज यह कि

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]





उक्त भूमि के विषय में जो अधिकार प्रथम पक्ष विक्रेता कम्पनी

HS/P 20, W
ADD IN SINGH NO. 1582
13 AUG 2007
TREASURY CLERK





OFFICE OF
CHIEF TREASURER

13 AUG 2007

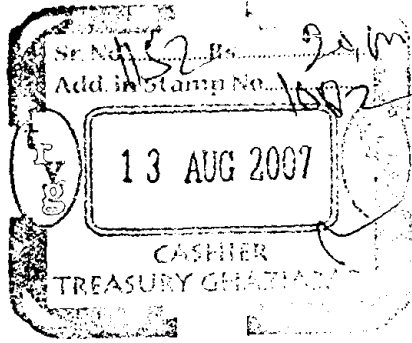
CHIEF TREASURER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

367630

(71)

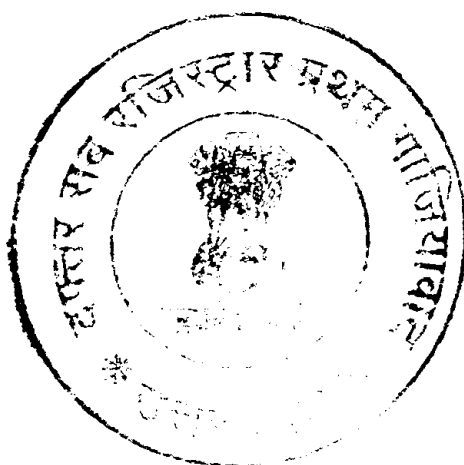
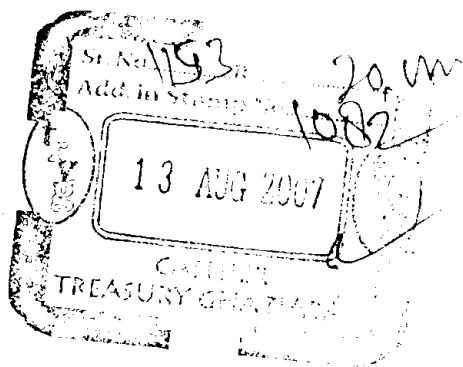
को प्राप्त है, वे सब अधिकार द्वितीय पक्ष केता के पक्ष में

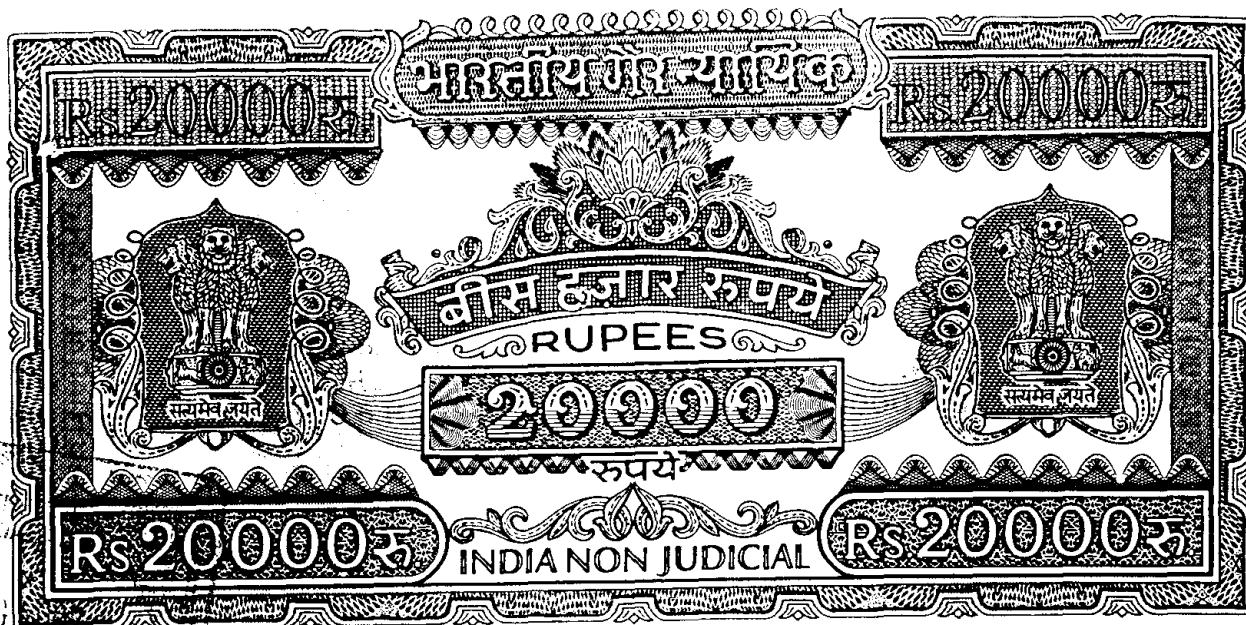




(72)

परिवर्तित हो जायेंगे। समस्त राजपत्रों में द्वितीय पक्ष अपना





OFFICE
CHIEF TREASURER
13 AUG
UTTAR PRADESH

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

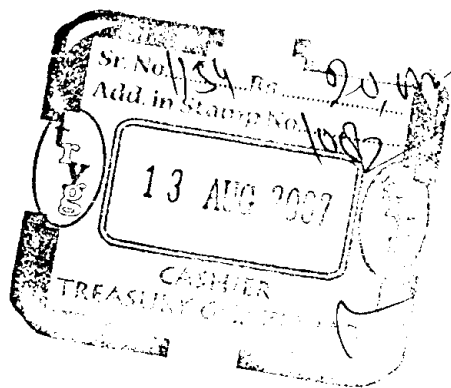
367628

(73)

नाम इस विक्रय पत्र के आधार पर स्वयं दर्ज करा ले, इस

[Handwritten signature]

[Handwritten mark]





CHIEF TREASURY

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

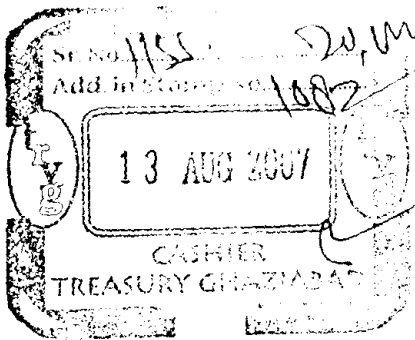
367627

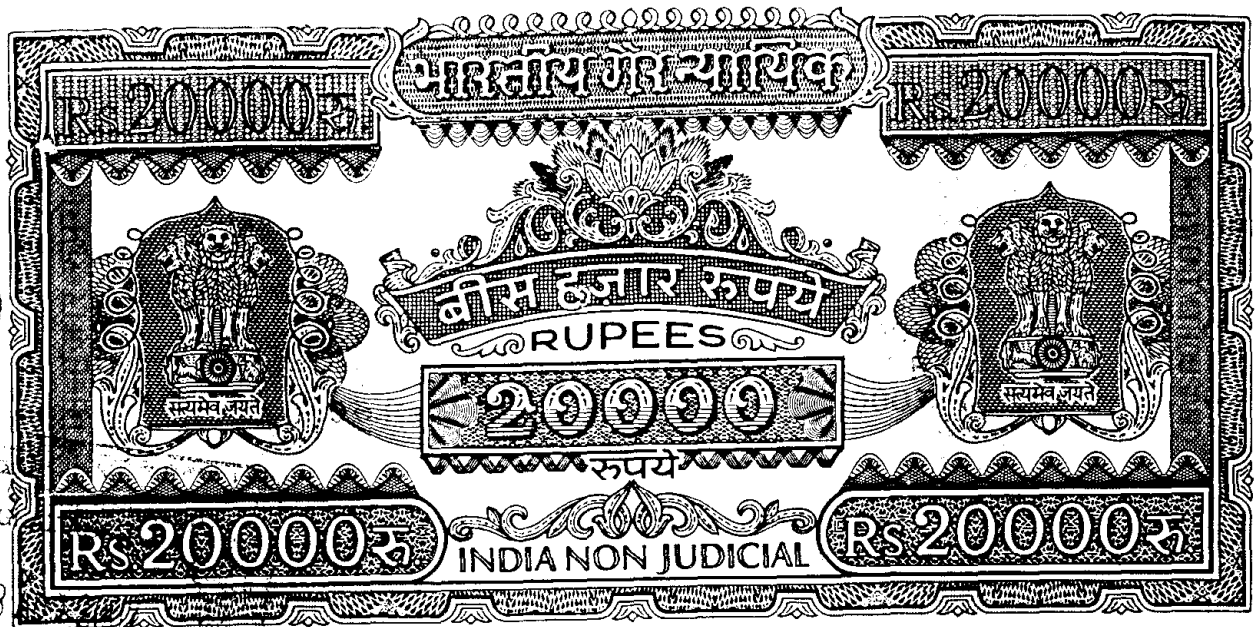
(74)

विक्रय पत्र का व्यय द्वितीय पक्ष ने स्वयं वहन किया है, पक्षकारान

[Handwritten signature]

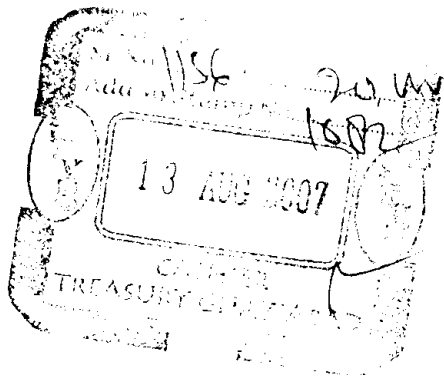
[Handwritten signature]

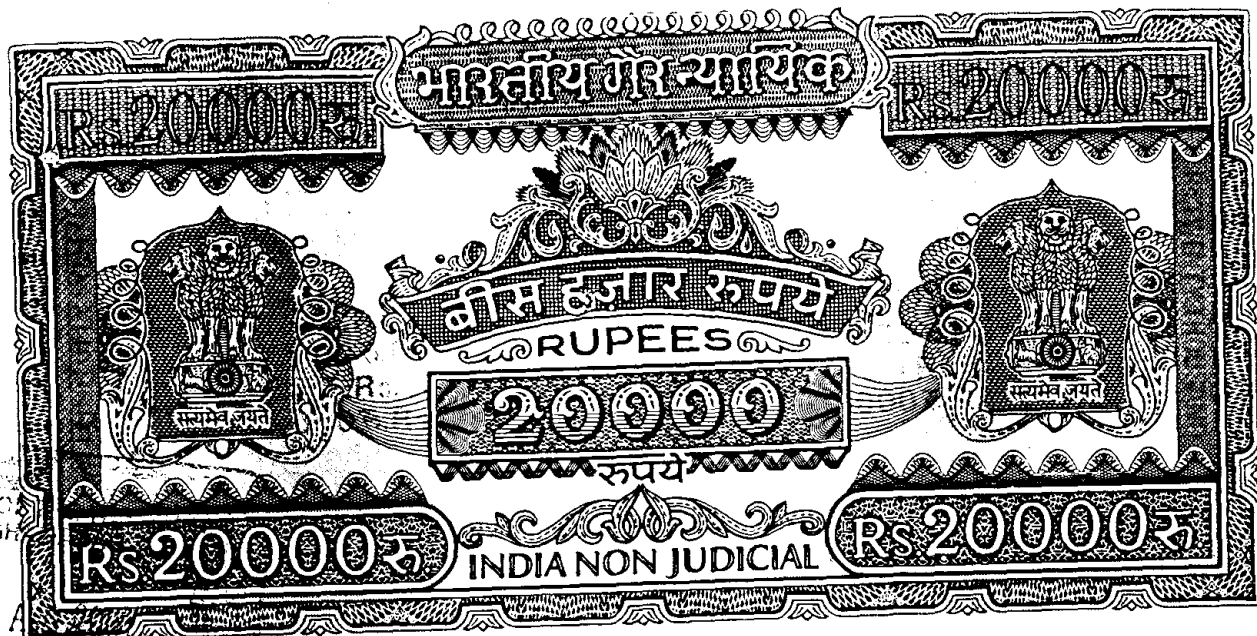




(75)

के मध्य कोई इकरारनामा महायदाबय पंजीकृत नहीं हुआ है। अब



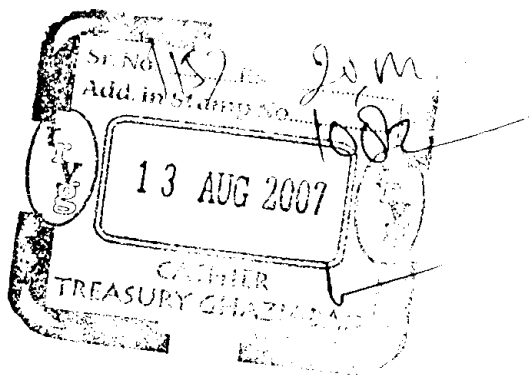


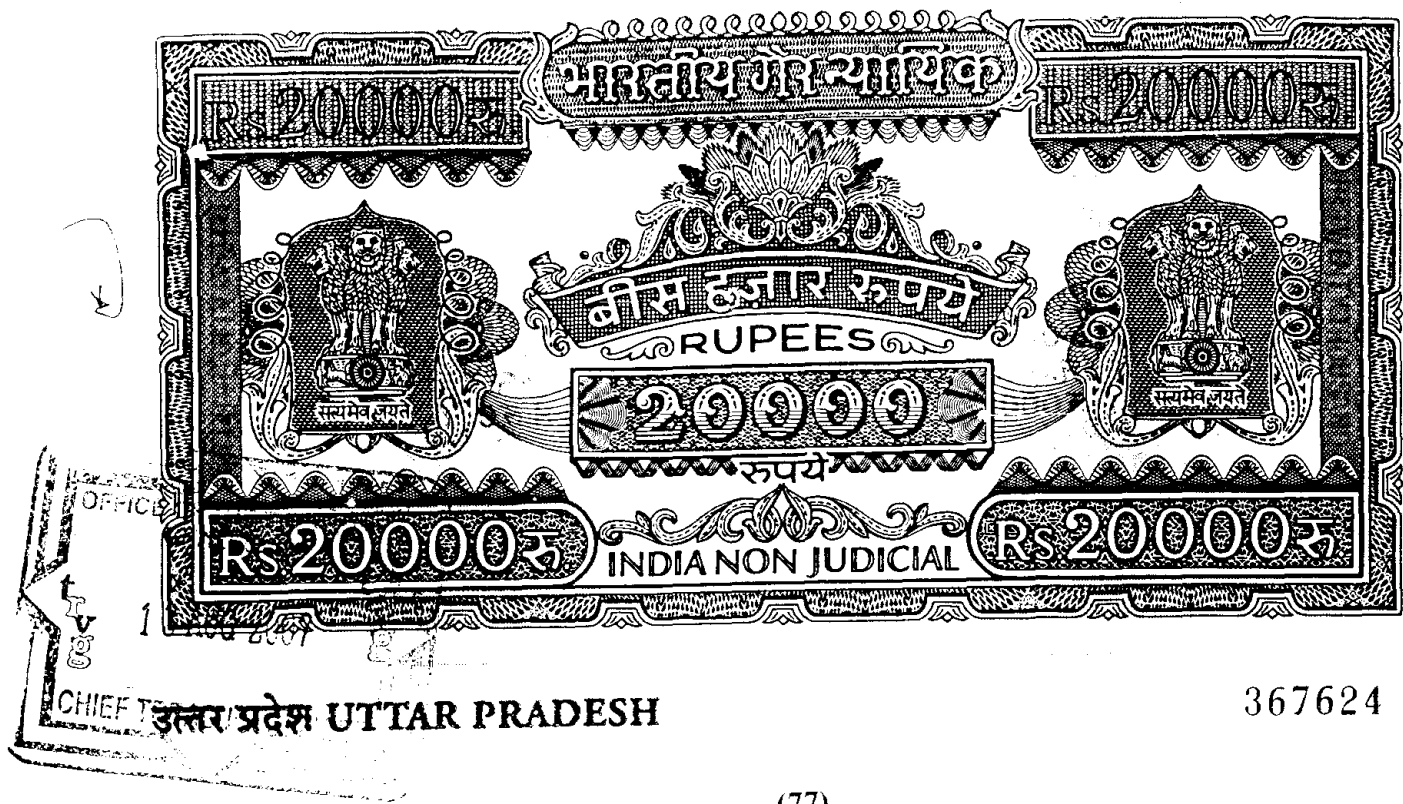
OFFICE OF
GH
13A
CHIEF TREASURER
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

367625

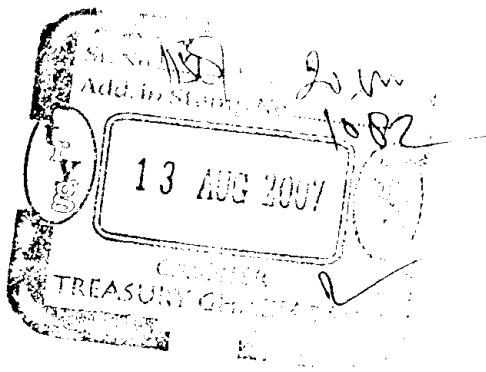
(76)

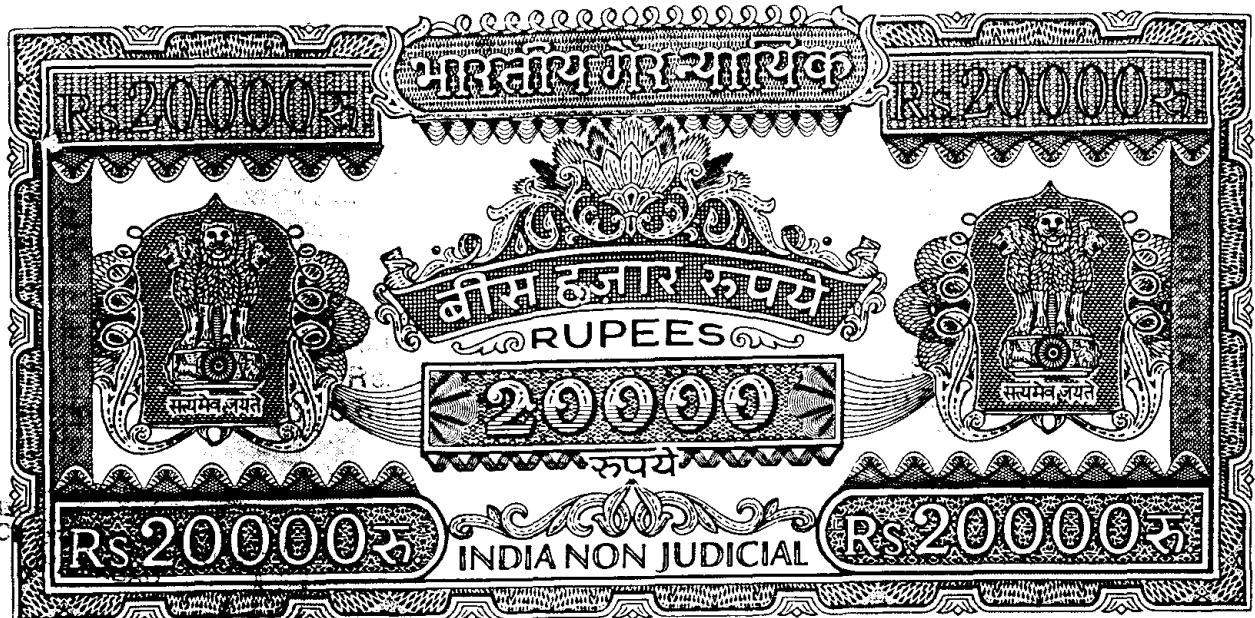
इकरार यह है कि अगर बावजह वेइस्तहकाकी प्रथम पक्ष विकेता





कम्पनी के या बदावेदारी किसी सहीम व शरीक के विकय की



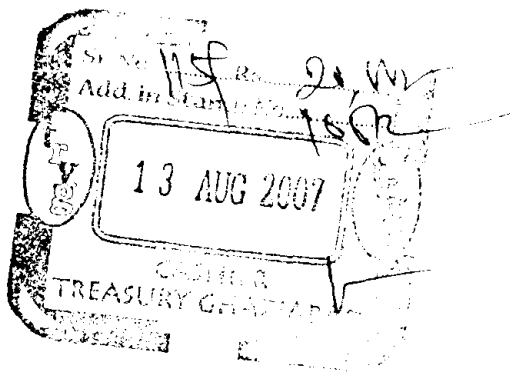


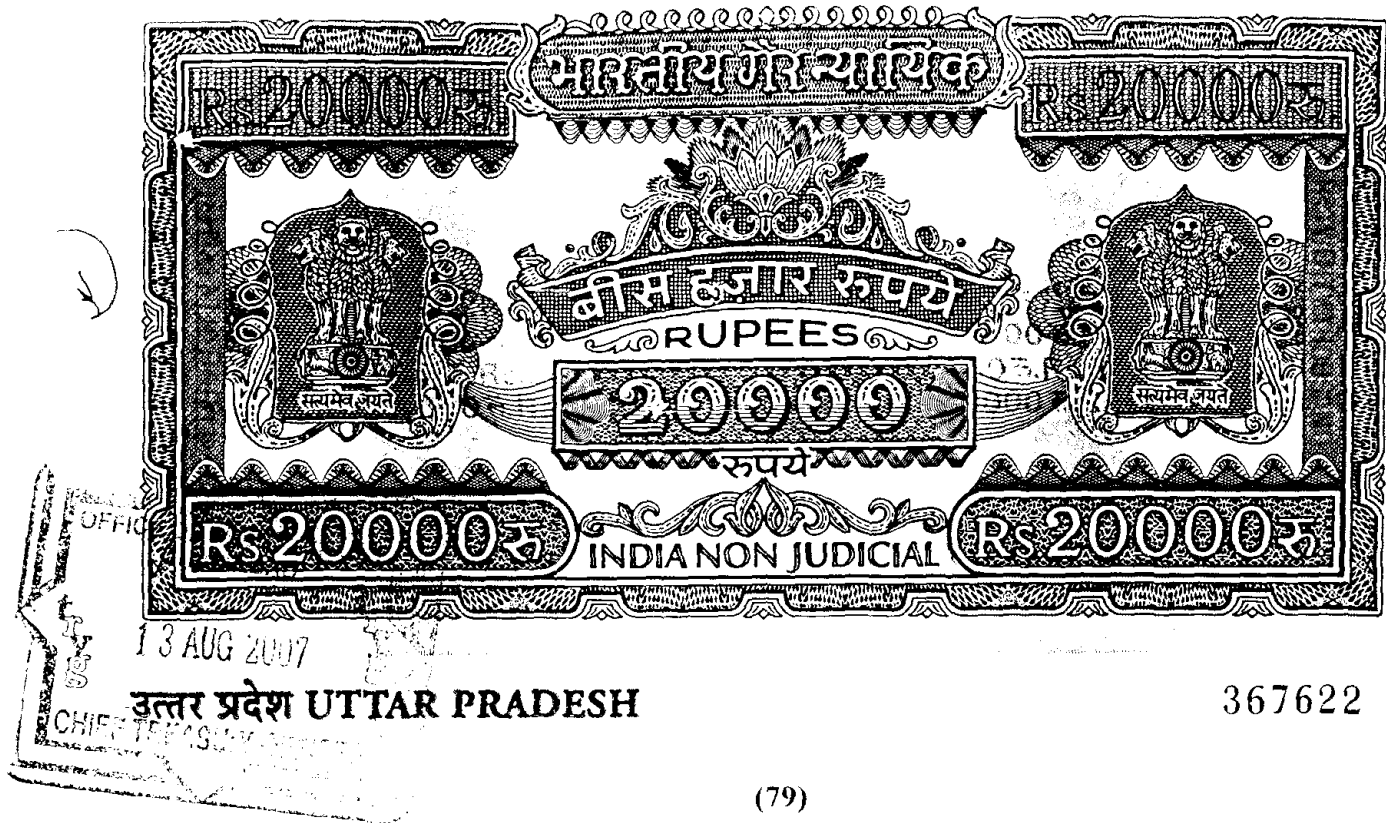
OFFICE
13 AUG 2007
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH
CHIEF TREASURY OFFICER

367623

(78)

जाने वाली भूमि कुल अथवा उसका कोई भाग कब्जे या





अधिकार केता से निकल जावेगा तो हर ऐसी दशा के उपस्थित होने

for

7